

उफान पर
नदियां

हर ओर 'जल' जला

● यूपी में 23 जिलों में बाढ़, 16 हजार का रेस्क्यू ● एमपी में मंदाकिनी-नर्मदा उफान पर, संकट बढ़ा

● बिहार में 5 लाख प्रभावित, हिमाचल में हाहाकार



नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। वाराणसी और चित्रकूट सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से रेस्क्यू किया जा चुका है। बिहार के 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत 8 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए पटना सुरक्षा दीवार के सभी 108 रास्तों को बंद कर दिया गया है, ताकि नालों के जरिए शहर में पानी न घुसे। मध्य प्रदेश में मंदाकिनी और नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वहीं, छतरपुर, सतना, मंडला, मैहर समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। छतरपुर के कुटनी और जबलपुर के बरगी बांध से पानी छोड़ा जा रहा है। मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले 48 घंटों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 266 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 158 मौतें सड़क हादसों, 18 लैंडस्लाइड, 13 डूबने और एक मौत फ्लैश फ्लड के कारण हुई है। वहीं, अन्य मौतें अलग-अलग कारणों से हुई हैं।



बंगाल के न्यू फराबक्का में जमीन धंसने से 14 ट्रेनें रद्द

पश्चिम बंगाल के न्यू फराबक्का में जमीन धंसने से 4 सितंबर को रवाना होने वाली 14 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। इनमें हावड़ा-गुवाहाटी



साराईघाट एक्सप्रेस, सियालदह-बामनहाट उत्तरबंगा एक्सप्रेस, सियालदह-अलीपुरद्वार कंचनकन्या एक्सप्रेस, सियालदह-सहरसा हाटे बाजार एक्सप्रेस,

दार्जिलिंग मेल, हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस और हावड़ा-कटिहार एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले अपनी ट्रेन का स्टेटस जांचने की अपील की है।

बिहार के कटिहार में नाव से स्कूल पहुंच रहे छात्र

बिहार के कटिहार में गंगा, कोसी और बरंडी नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव के कारण निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। इससे प्रतापगंज स्थित मध्य विद्यालय चारों तरफ से पानी से घिर गया है। बाढ़ के पानी के बीच बच्चे रोजाना नाव से स्कूल पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर के मेहरबान सिंह का पूरवा, गोपालपुर और मर्दनपुर गांवों में पांडव नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से दर्जनों घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है। पानी बढ़ने के चलते स्थानीय लोग अपना सामान सुरक्षित जगहों पर ले जा रहे हैं।

36 हजार किमी से तस्वीरें लेने वाला सैटेलाइट लॉन्च

पाकिस्तान-चीन पर लगातार रखेगा नजर, आपदा से पहले अलर्ट में मदद करेगा

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार देर रात 2.55 बजे ईओएस-05 इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ 17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया। ईओएस-05 करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में रहकर तस्वीरें लेगा। ऐसा करने वाला भारत का यह पहला सैटेलाइट है। इससे पहले भारत के सभी इमेजिंग सैटेलाइट निचली कक्षा में थे। ईओएस-05 भारत और आसपास के बड़े इलाकों की लगातार तस्वीरें भेज सकेगा। इससे पाकिस्तान-चीन सीमा समेत संवेदनशील और रणनीतिक इलाकों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। सैटेलाइट का इस्तेमाल बाढ़, चक्रवात और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी के लिए भी किया जाएगा। इससे आपदा की स्थिति का जल्दी पता लगाने और समय पर चेतावनी देने में मदद मिलेगी। इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि संगठन का इस साल छह और मिशन लॉन्च करने का लक्ष्य है। करीब आठ महीने बाद इसरो का यह पहला लॉन्च है। इससे पहले जनवरी 2026 और मार्च 2025 में उसके दो मिशन सफल नहीं हो पाए थे।



दो खास कैमरों से बड़े इलाके की निगरानी

ईओएस-05 में दो मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर यानी ऐसे कैमरे लगे हैं, जो धरती की तस्वीरें अलग-अलग तरंग की प्रकाश तरंगों में लेते हैं। इससे सामान्य तस्वीर के अलावा जमीन, पेड़-पौधों, पानी और पर्यावरण में हो रहे बदलावों की जानकारी मिल सकती है। इनमें से एक इमेजर की रिजोल्यूशन 42 मीटर प्रति पिक्सल है, यानी तस्वीर का एक पिक्सल जमीन के करीब 42-42 मीटर हिस्से की जानकारी देता है। 36 हजार किमी की ऊंचाई से बड़े इलाके की बार-बार तस्वीरें लेना है।

ट्रांसफर ऑर्बिट में पहुंचा ईएसओ-05

जीएसएलवी-एफ 17 भारत के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल कार्यक्रम की 19वीं उड़ान थी। ईओएस-05 को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के सेकेंड पैड से लॉन्च किया। ईओएस-05 लॉन्च के करीब 18 मिनट बाद सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में पहुंचा दिया गया। इसके बाद सैटेलाइट को 36000 किमी पर मौजूद अपनी कक्षा तक पहुंचाना है।

उत्तराखंड में मुस्लिमों के लिए नया निकाहनामा

● मस्जिदों में निकाह पढ़ाने वाले मौलाना को वक्फ बोर्ड का फैसला मानना जरूरी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मुस्लिमों के लिए नया निकाहनामा जारी किया जाएगा। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद ये फैसला लिया है। बोर्ड अब नया निकाहनामा जारी करेगा, जिसमें सिर्फ एक निकाह का उल्लेख होगा। नए नियम का पालन नहीं करने पर सजा का भी प्रावधान है। वक्फ बोर्ड के नए निकाहनामे को मस्जिदों में निकाह पढ़ाने वाले मौलाना को मानना जरूरी होगा। यूसीसी के बाद यह लागू किया है।



● यूसीसी लागू होने के बाद बहुविवाह पर रोक- उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स ने कहा है कि सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बना है। यूसीसी लागू होने के बाद बहुविवाह पर रोक लग गई है, तीन तलाक पर पाबंदी है और हलाला जैसी प्रथाओं को अपराध माना गया है।

नेपाल में 9 दिन बाद सुरंग से जिंदा निकले 2 मजदूर

आवाज सुनकर रेस्क्यू टीम ने बचाया

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल बाढ़ के 9 दिन बाद त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से 2 मजदूर जिंदा निकाले गए हैं। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू टीम ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी पहचान संजय साह और कबीर महर्जन के रूप में हुई है। बाढ़ के बाद सुरंग में 42 कर्मचारी और मजदूरों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी। दो लोगों के जिंदा मिलने के बाद बचाव अभियान में उम्मीद बढ़ी है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सुरंग के भीतर से इंसानी आवाज सुनाई देने की सूचना मिली थी। इसके बाद नेपाल सेना और सशस्त्र पुलिस बल की टीमों सुरंग में दाखिल हुईं और तलाशी अभियान तेज किया। बाढ़ से अब तक 5,300 से ज्यादा लोग लापता हैं।



● चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव बरामद, 95 की पहचान- नेपाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों में शवों की बरामदगी का अभियान जारी है। चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव मिले हैं, जबकि अब तक बरामद शवों में से 95 की पहचान की जा चुकी है। प्रशासन और बचाव दल लापता लोगों की तलाश के साथ शवों की पहचान और उनके परिजनों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में जुटे हैं। कबीर महर्जन 25 अगस्त की सुबह त्रिशूली-3ए में मेटेनैस के काम के लिए गए थे।

मुसलमानों की एंट्री नहीं, आने वालों के लिए तिलक जरूरी

महाराष्ट्र में नवरात्रि कार्यक्रमों के लिए वीएचपी का नया नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम में सार्वभौमिक एकता का संदेश दिया था। इसके एक हफ्ते के बाद, विश्व हिंदू परिषद ने महाराष्ट्र में नवरात्रि उत्सव के दौरान मुसलमानों को गरबा और डांडिया कार्यक्रमों में भाग लेने से रोकने और उपस्थित लोगों पर सख्त नियम लागू करने का फैसला किया है। संगठन ने आयोजकों के लिए क्या करें और क्या न करें की लिस्ट भी जारी की है। इसमें आने वालों के आधार कार्ड की जांच और उनकी हिंदू पहचान पक्की करने के लिए माथे पर तिलक लगाने की बात कही गई है। राज्य भर में नवरात्रि के कार्यक्रमों में मुसलमानों की भागीदारी पर प्रतिबंध के बारे में बात करते हुए विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज नायर ने अपना पक्ष रखा।

यूके में संघ चीफ मोहन भागवत का वेलकम

ब्रिटिश सांसद बोले- उन्हें सुनकर बहुत खुशी हुई

हिंदू संगठनों ने भी किया स्वागत, यात्रा का समर्थन



लंदन (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत तीन देशों के दौरे के आखिरी चरण में गुरुवार को लंदन पहुंचे। संघ के शताब्दी

समारोह के तहत अमेरिका और कनाडा के बाद उनका ब्रिटेन में कार्यक्रम है। आरएसएस प्रमुख के इस सप्ताह के आखिर में ब्रिटेन में प्रवासी भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित

करने की उम्मीद है। इस बीच ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी के अहम नेता ने मोहन भागवत की यात्रा का समर्थन दिया है। ब्रिटिश सांसद ने की सोशल मीडिया पोस्ट- कंजर्वेटिव पार्टी से 5 बार के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा है कि उन्हें संगठन के भविष्य पर संघ चीफ के विचार सुनकर खुशी हुई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ब्लैकमैन ने संघ प्रमुख की जमकर तारीफ की।

बायपास पर 55 लाख की हरियाणा निर्मित शराब जब्त, कंटेनर पकड़ाया

सुशब्रू श्रीवास्तव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अवैध शराब के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत इंदौर में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर आबकारी विभाग की टीम ने बायपास क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध कंटेनर की जांच की। तलाशी के दौरान कंटेनर से हरियाणा निर्मित शराब की सैकड़ों पेटियां बरामद की गईं। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 55 लाख रुपये बताई जा रही है। आबकारी विभाग की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए बरामद शराब को जब्त कर कंटेनर को अभिरक्षा में ले लिया। इतनी बड़ी मात्रा में हरियाणा निर्मित शराब मिलने के बाद मामला अंतरराज्यीय अवैध शराब परिवहन और तस्करी से जुड़ा होने



की आशंका जताई जा रही है।

विभागीय अधिकारियों द्वारा अब शराब के स्रोत, गंतव्य और परिवहन से जुड़े लोगों के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। जांच में यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे इंदौर या आसपास के किस क्षेत्र में पहुंचाया जाना था। इसके साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य व्यक्तियों और नेटवर्क की भी पड़ताल की जा रही है।

आबकारी विभाग ने मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है और आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। विभाग की इस कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर मामले में आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

कुशाभाऊ ठाकरे की जन्मजयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

अनुशासन और अटूट समर्पण की मिसाल थे कुशाभाऊ : दीपक सोनी टंडन

नवल किशोर

कटनी। भारतीय जनता पार्टी के संगठन शिल्पी कुशाभाऊ ठाकरे के तिथि के अनुसार जन्माष्टमी पर मनाई जाने वाली जन्म जयंती पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय व बायपास पर ठाकरे जी की प्रतिमा स्थल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई जिसने कार्यकर्ताओं ने उन्होंने याद करते हुए चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन ने कहा श्री कुशाभाऊ ठाकरे जी का जीवन अनुशासन और अटूट समर्पण की एक मिसाल थे।

‘सादगी और उच्च विचारों के धनी, कुशाभाऊ ठाकरे ने सहजता से कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर राष्ट्र और समाज के उत्थान के कार्यों हेतु तैयार किया। उन्होंने अपने संगठन कौशल से असंख्य अनुशासित कार्यकर्ताओं का निर्माण किया। उनका जीवन उनसे मिले संस्कार हमें सदैव बताए आदर्शों पर चलने को प्रेरित करता रहेगा।’



वरिष्ठ नेता पीतांबर टोपनानी, कैलाश जैन सोगानी, सुनील उपाध्याय ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व और संगठनात्मक विचारों पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि एक नहीं, अनेकों कार्यकर्ताओं का जीवन कुशाभाऊ ठाकरे जी ने गढ़ा, कार्यकर्ता को काम करने का पूरा अवसर कैसे मिले, वे इसकी चिंता करते थे। वह कार्यकर्ताओं से अत्यधिक और निश्छल प्रेम करते थे, जैसे भगवान श्री कृष्ण सभी को प्रेम करते थे और लोग उनसे करते थे, उसी तरह कुशाभाऊ कार्यकर्ताओं से और कार्यकर्ता उनसे प्रेम करते थे। श्रद्धांजलि सभा का संचालन जिला

मंत्री आशीष गुप्ता बाबा ने किया इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, वरिष्ठ नेता रामरतन पायल, पीतांबर टोपनानी, प्रीति सूरी, सुनील उपाध्याय, कैलाश जैन सोगानी, सीमा जैन सोगानी, रमू साहू, आशीष गुप्ता बाबा, सचिन तिवारी, सपना सरावगी, ऋचा गेलानी, यज्ञदत्त मिश्रा, मृदुल द्विवेदी पारस जैन, प्रदीप साहू, कौशलेश मिश्रा, रजत जैन, संजू गर्ग, श्रीराम पटेल, आयुष पाण्डे, कौशल दुबे, पार्वती तामिया, अक्षय श्रीवास्तव, सचिन निषाद, आशीष मिश्रा, अतिन अग्रवाल, शिवम मिश्रा, नमन दुबे, नवीन मोटवानी, राजू यादव सहित कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे नन्हे-मुन्नों ने मोहा मन

शिवाजी पब्लिक और बरापन इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मनी श्रीकृष्ण जयंती

मालनपुर। क्षेत्र के शिवाजी पब्लिक स्कूल एवं बचपन इंटरनेशनल स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ हुआ। इसके बाद दोनों विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राएं राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में नजर आए। बच्चों ने कृष्ण-लीला पर आधारित नाटक, गीत और कविताओं की प्रस्तुति देकर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। मोर मुकुट, बांसुरी और राधा के श्रृंगार में सजे बच्चों ने सभी को भाव-विभोर कर दिया। प्रस्तुतियों पर बच्चों का तालियों से उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर दोनों विद्यालयों के संचालक दिनेश सिंह परिहार उर्फ बंदू ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और



उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण प्रेम, करुणा और धर्म के प्रतीक हैं। उनके आदर्शों को जीवन में अपनाकर बेहतर समाज का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम के समापन पर छात्र-छात्राओं एवं उपस्थितजनों को पंजीरी और प्रसाद वितरित किया गया।

महिला पत्रकारों पर हुए अमानवीय हमले की घोर निंदा एवं दोषी पुलिस अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

नवल किशोर

मध्य प्रदेश जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजिस्टर्ड) दिल्ली के साकेत पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिस अधिकारियों (जिनमें स्टेशन हाउस ऑफिसर भी शामिल हैं) द्वारा स्वतंत्र महिला पत्रकार शाहीन खान और नफीसा खान पर किए गए बर्बर हमले की घोर निंदा करती है।



के मैक्स हॉस्पिटल में गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा एक नए विंग के शुभारंभ की कवरेज कर रही थीं। इस दौरान साकेत पुलिस स्टेशन के कुछ पुलिसकर्मियों ने

पहले मौके पर ही दोनों महिला पत्रकारों के साथ मारपीट की, उन्हें घसीटकर पुलिस गाड़ी में डाला और साकेत पुलिस स्टेशन ले गए। स्टेशन पहुंचने पर SHO के निर्देश पर उन्हें एक कमरे

में ले जाया गया, जहां महिला अधिकारी की उपस्थिति में भी उन्हें पीटा गया। उनकी धार्मिक पहचान पूछकर धर्म के आधार पर गालियां दी गईं और FIR दर्ज करने की धमकी भी दी गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दोनों पत्रकारों के शरीर पर कई चोटें और घाव साफ दिख रहे हैं।

यह घटना प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है तथा महिला पत्रकारों की गरिमा और सुरक्षा के खिलाफ घोर अपराध है। मध्य प्रदेश जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजिस्टर्ड) दिल्ली पुलिस कमिश्नर श्री अनुराग कुमार से मांग करती है कि इस घटना में शामिल सभी पुलिस अधिकारियों के

खिलाफ तुरंत निष्पक्ष जांच शुरू की जाए और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। हम राष्ट्रीय महिला आयोग और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया से भी अपील करते हैं कि वे इस मामले का स्वतः संज्ञान लें और हिंसक तरीके से प्रेस की आजादी को दबाने का प्रयास करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ स्वतंत्र जांच सुनिश्चित करें। मध्य प्रदेश जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजिस्टर्ड) सभी पत्रकार संगठनों से आह्वान करती है कि वे इस अमानवीय घटना के खिलाफ एकजुट हों और पत्रकारों की सुरक्षा तथा प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए आवाज उठाएं।

नौकरी के लिए हजारों दावेदार जनप्रतिनिधि बनने के लिए इतने कम क्यों?

लोकतंत्र में हम मतदाता बनने को तैयार हैं, उम्मीदवार बनने से क्यों हिचकते हैं?

गोपाल गावंडे

सरकारी नौकरी की एक छोटी-सी रिक्ति निकलती है तो उसके लिए बड़ी संख्या में आवेदन पहुंच जाते हैं। युवा महीनों तैयारी करते हैं, परीक्षाएं देते हैं, साक्षात्कार की कतार में खड़े होते हैं। उन्हें विश्वास होता है कि वे उस पद के योग्य हैं और अवसर मिला तो जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

इसके ठीक उलट चुनाव का दृश्य देखिए। लाखों की आबादी वाले विधानसभा क्षेत्र में उम्मीदवारों की संख्या अक्सर उंगलियों पर गिनी जा सकती है। पंचायत, नगर निकाय से लेकर विधानसभा और लोकसभा तक यही सवाल हमारे सामने खड़ा होता है—जब नौकरी के एक पद के लिए हजारों लोग स्वयं को योग्य मानते हैं, तो लाखों लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए इतने कम नागरिक आगे क्यों आते हैं? यह प्रश्न चुनाव लड़ने वालों की संख्या से कहीं बड़ा है। यह हमारी लोकतांत्रिक सोच और राजनीतिक भागीदारी से जुड़ा प्रश्न है।

राजनीति आखिर किसकी है? हमने राजनीति को धीरे-धीरे एक अलग पेशा मान लिया है। आम धारणा बन गई है कि चुनाव वही लड़ सकता है जिसके पास राजनीतिक परिवार की विरासत हो, बड़ा संगठन हो, पर्याप्त पैसा हो या किसी प्रभावशाली दल का समर्थन हो। इसी धारणा के कारण एक शिक्षक, डॉक्टर, वकील, किसान, व्यापारी, इंजीनियर, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता या सामान्य युवा स्वयं को जनप्रतिनिधि के रूप में देखने की कल्पना तक नहीं करता। जबकि लोकतंत्र का मूल विचार ही यह है कि शासन में जनता की भागीदारी हो। निर्धारित कानूनी योग्यताएं पूरी करने वाला नागरिक चुनावी प्रक्रिया में उम्मीदवार के रूप में भाग ले सकता है। फिर राजनीति को हमने कुछ लोगों तक सीमित क्षेत्र क्यों मान लिया?

आलोचना में आगे, भागीदारी में पीछे—आज सोशल मीडिया ने लगभग हर नागरिक को अपनी बात रखने का मंच दिया है। सड़क खराब हो तो पोस्ट होती है। पानी नहीं आए तो सरकार से सवाल होता है। बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और विकास पर प्रतिदिन हजारों सुझाव



दिए जाते हैं।

यह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात है। सत्ता से सवाल होना चाहिए। लेकिन इसके साथ एक दूसरा सवाल भी जरूरी है—यदि हमारे पास समस्याओं की इतनी स्पष्ट समझ और समाधान के इतने सुझाव हैं, तो हममें से अधिक लोग सार्वजनिक जीवन में उतरने के बारे में क्यों नहीं सोचते? व्यवस्था को यह बताना कि उसे क्या करना चाहिए, नागरिक का अधिकार है। लेकिन जो व्यक्ति स्वयं को सक्षम समझता है, उसके लिए व्यवस्था का हिस्सा बनकर बदलाव का प्रयास करने का रास्ता भी खुला है।

क्या राजनीति की नकारात्मक छवि जिम्मेदार है?—संभवतः सबसे बड़ी बाधाओं में से एक राजनीति को लेकर हमारे मन में बनी छवि है। राजनीति का नाम आते ही धनबल, बाहुबल, भ्रष्टाचार, गुटबाजी और सत्ता संघर्ष जैसे शब्द सामने आने लगते हैं। इस छवि के पीछे वास्तविक अनुभव और कारण हो सकते हैं। लेकिन इसका परिणाम चिंताजनक है। अच्छे, शिक्षित, ईमानदार और सक्षम नागरिक यदि यह सोचकर राजनीति से दूर रहें कि यह क्षेत्र उनके लिए नहीं है, तो राजनीति की गुणवत्ता बेहतर कैसे होगी? यदि अच्छे लोग राजनीति से दूरी बनाएंगे, तो अच्छी राजनीति की अपेक्षा किससे करेंगे? राजनीति की कमियों की आलोचना आवश्यक है, लेकिन राजनीति से अच्छे लोगों का पलायन उसका समाधान नहीं हो सकता।

जनप्रतिनिधि का अर्थ सत्ता नहीं, जिम्मेदारी है। हमारी दूसरी समस्या शायद 'नेता' शब्द को देखने के तरीके में है। नेता का अर्थ केवल पद, प्रभाव, काफिला या सत्ता नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचित व्यक्ति मूलतः जनप्रतिनिधि है—जनता की समस्याओं, आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को शासन तक पहुंचाने वाला प्रतिनिधि।

इसलिए चुनाव लड़ना केवल सत्ता प्राप्त करने की महत्वाकांक्षा नहीं होना चाहिए। इसे सार्वजनिक जिम्मेदारी लेने की इच्छा के रूप में भी देखा जाना चाहिए। हर व्यक्ति को चुनाव लड़ना चाहिए, यह तर्क व्यावहारिक नहीं है। हर व्यक्ति में इसकी इच्छा या क्षमता होना भी आवश्यक नहीं। लेकिन योग्य नागरिक केवल इसलिए पीछे हट जाएं कि उन्होंने राजनीति को अपने लिए निषिद्ध क्षेत्र मान लिया है, यह लोकतंत्र के लिए स्वस्थ स्थिति नहीं है।

युवाओं को राजनीतिक साक्षरता भी चाहिए—हम युवाओं को नौकरी की परीक्षा का पाठ्यक्रम बताते हैं। उन्हें आवेदन भरना सिखाते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर के विकल्पों की जानकारी देते हैं। क्या उतनी ही गंभीरता से उन्हें लोकतांत्रिक संस्थाओं के बारे में बताते हैं? कितने युवाओं को मालूम है कि पार्षद की वास्तविक जिम्मेदारी क्या है? पंचायत के अधिकार क्या हैं? विधायक और सांसद की भूमिका में क्या अंतर है? चुनाव लड़ने के लिए क्या कानूनी योग्यताएं और प्रक्रियाएं हैं? राजनीतिक जागरूकता का अर्थ किसी पार्टी का समर्थक बनना नहीं है। इसका अर्थ है—अपने लोकतंत्र को समझना और उसमें अपनी भूमिका पहचानना।

कभी यह सवाल भी पूछिए—'मैं क्यों नहीं?' चुनाव के समय हम उम्मीदवारों को देखते हैं और पूछते हैं—इनमें सबसे अच्छा कौन है? लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए शायद एक और सवाल पूछने का समय है—'यदि मुझे लगता है कि मेरे क्षेत्र का बेहतर प्रतिनिधित्व हो सकता है, तो मैं क्यों नहीं?' इस सवाल का अर्थ यह नहीं कि हर नागरिक अगला चुनाव लड़ने निकल पड़े। इसका अर्थ केवल इतना है कि राजनीति को कुछ परिवारों, दलों या स्थापित चेहरों की जागीर मानने की मानसिकता टूटनी चाहिए। देश को अच्छे मतदाताओं की आवश्यकता है, लेकिन उतनी ही आवश्यकता अच्छे उम्मीदवारों की भी है। हम सोशल मीडिया पर परिवर्तन की मांग करते हैं। सरकारों को सुझाव देते हैं। नेताओं से बेहतर काम की अपेक्षा करते हैं। यह सब जरूरी है। लेकिन लोकतंत्र हमें आलोचना के साथ भागीदारी का अवसर भी देता है। नौकरी के एक पद के लिए हजारों लोग स्वयं को दावेदार मानते हैं। फिर जनसेवा की जिम्मेदारी के लिए स्वयं को योग्य मानने वाले नागरिक इतने कम क्यों दिखाई देते हैं? यह सवाल किसी एक चुनाव या राजनीतिक दल से नहीं है। यह सवाल हम सब से है।

जन्माष्टमी पर ऐतिहासिक मंदिर के पुनर्निर्माण का भूमिपूजन

सुशब्रु श्रीवास्तव

इंदौर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर ऐतिहासिक श्री राधा-कृष्ण मंदिर एवं धर्मशाला के पुनर्निर्माण की शुरुआत हुई। जूनी इंदौर स्थित करीब 100 वर्ष पुराने मंदिर और धर्मशाला के जीर्णोद्धार कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल, मंत्री, विधायक, महापौर सहित समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देशभर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की धूम है। कृष्ण मंदिरों में विशेष श्रृंगार और पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया जा रहा है। इसी अवसर पर श्री बलाई सकल पंच राधा-कृष्ण मंदिर एवं धर्मशाला समिति



द्वारा जूनी इंदौर स्थित समाज की ऐतिहासिक पुरानी धर्मशाला और मंदिर के जीर्णोद्धार एवं पुनर्निर्माण कार्य का भूमिपूजन आयोजित किया गया।

वसूली कार्य में लापरवाही पर नगर निगम के 10 राजस्व कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी

3 दिवस में देना होगा स्पष्टीकरण



नवल किशोर

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी में राजस्व वसूली कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के बावजूद कार्य के प्रति लापरवाही बरतने को गंभीरता से लिया गया है। वसूली कार्य की समीक्षा के दौरान सामने आई स्थिति के बाद राजस्व अधिकारी श्री जागेश्वर प्रसाद पाठक द्वारा निगम के 10 कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किए गए हैं।

इन्हें जारी हुआ नोटिस

राजस्व अधिकारी श्री पाठक द्वारा जिन 10 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है उनमें वार्ड क्रमांक 34, 43 तथा वार्ड क्रमांक

15, 16 के राजस्व उपनिरीक्षक, वार्ड क्रमांक 41, 31 और 32 के सहायक राजस्व निरीक्षक सहित वार्ड क्रमांक 03, 28, 39 और वार्ड क्रमांक 42 के वसूलीकर्ता शामिल हैं।

डिमांड के विरुद्ध कम वसूली-कारण बताओ नोटिस में उल्लेख किया गया है कि समय-समय पर आयोजित समीक्षा बैठकों एवं जारी निर्देशों के बावजूद संबंधित कर्मचारियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 अप्रैल से 31 अगस्त 2026 तक की अवधि में डिमांड के विरुद्ध अपेक्षित वसूली नहीं की गई। नोटिस में विशेष रूप से बताया गया कि संबंधित कर्मचारी द्वारा निम्न वसूली की गई, जो कार्य के प्रति उदासीनता एवं निरंतर लापरवाही को दर्शाती है।

पंच ज्ञानेन्द्रियों व मन को सहस्रार में लय करने की कला है सहजयोग

पाँचों इन्द्रिय छठामन, सम संगत सूचंत।
कहै कबीर जग क्या करे, सातों गाँठ निश्चिंत।

संत कबीर

सब संत कवीयों ने आत्मसाक्षात्कार रूपी मधुर फल को चखा था, इसलिये उस अनुभूति का वर्णन वे सभी इतनी सूक्ष्मता से कर सके। जब साधक को आत्मज्ञान अर्थात् स्वरूपज्ञान होता है तो साधक को जो मधुर अनुभूतियाँ होती हैं इसका वर्णन करते हुए संत कबीर लिखते हैं, जो साधक अपनी पाँचों ज्ञानेन्द्रियों को यानि कि आँख, कान, नाक जिह्वा तथा त्वचा और छठे मन को सातवें 'सहस्रार चक्र' पर स्थित करता है अपनी ज्ञानेन्द्रियों

को अंतर्मुखी करने की कला सीखता है, हर दिन के ध्यान योग की अभ्यास साधना में पारंगत होकर मनोजयी बनता है। सांसारिक लोभ, मोह, माया, वासना उसका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकती। इस प्रकार वो मनोजयी अर्थात् मन को जीतने वाला बन जाता है।

प. पू. श्रीमाताजी द्वारा प्रणित सहज योग भी हमें मनोजयी होने की



कला सिखाता है। कैसे ? सहजयोग एक स्व के तंत्र को जानने का शास्त्र है, इस योग के माध्यम से हम हमारे सूक्ष्म शरीर को जानते हैं। सहजयोग में जब हमें हमारा स्वरूप साक्षात्कार प्राप्त होता है, तो हमारी पाँचे ज्ञानेन्द्रियाँ अंतर्मुखी बन जाती हैं। मन एकाग्र हो जाता है और साधक अपनी माँ स्वरूपिनी कुंडलिनी शक्ति

का उध्वगमन महसूस कर सकता है। यह कुंडलिनी शक्ति मूलाधार में पृथ्वीतत्व को, स्वाधिष्ठान में अग्नि तत्व को, नाभी में जल तत्व को, अनहद में वायुतत्व को विशुद्धि में आकाश और आज्ञा चक्र में मनतत्व को लांघकर सहस्रार चक्र में सदाशिव जा मिलती है। जिस अंतरंग अनुभव, का वर्णन हम कर रहे हैं, इसे विश्व के सभी सहजयोगियों ने पाया है और इस ज्ञान व योग की प्राप्ति के पश्चात् सभी साधक निर्भय, आनंदमय होकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। इस आनंद को प्राप्त करने तथा कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने हेतु www.sahajyoga.org.in और टोल फ्री नम्बर 18002700800 पर सम्पर्क करें।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व स्थित ऐतिहासिक भगवान बांधवाधीश मंदिर में दर्शन व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित



प्रदीप सिंह बघेल

उमरिया- उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अंतर्गत स्थित ऐतिहासिक भगवान बांधवाधीश मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए दर्शन व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के साथ मंदिर परिसर में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था

का प्रतीक- भगवान बांधवाधीश मंदिर बांधवगढ़ क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थल है। विशेष अवसरों पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसे देखते हुए प्रबंधन श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ वन क्षेत्र की संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर व्यवस्थाओं का संचालन कर रहा है। सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील- बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित व्यवस्थाओं

और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। साथ ही मंदिर परिसर में अनुशासन और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने को कहा गया है। क्षेत्र संचालक, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रबंधन की प्राथमिकता है। दर्शन व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए अधिकारी-कर्मचारी लगातार तैनात हैं और आवश्यक व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है।

बारिश से धराशायी हुआ मकान, बाल बाल बचे रहवासी



प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल संभाग। शहडोल जिले में लगातार हो रही बारिश अब लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है ताजा मामला शहडोल जिले के धनपुरी नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड नं 5 में काली मंदिर के पास का है जहां संतोष बर्मन, उनकी पत्नी साधना बर्मन और बच्ची गुनगुन घर के अंदर सो रहे थे, तभी अचानक मकान का एक हिस्सा भरभराकर उनके ऊपर आ गिरा, हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने बिना देर किए राहत और बचाव कार्य शुरू किया और मलबे में दबे परिवार के तीनों सदस्यों को बाहर निकाला, मकान गिरने से

परिवार के सदस्यों को अंदरूनी चोटें आई हैं।

गनीमत रही कि स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी को समय रहते मलबे से बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हादसे के बाद परिवार दहशत में है। वहीं, मकान गिरने से परिवार की पूरी गृहस्थी तहस-नहस हो गई।

घर में रखा सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गया, बारिश के कारण पहले से कमजोर हो चुके कच्चे और खपरैल मकानों पर अब खतरा बढ़ गया है। घटना ने एक बार फिर बारिश के मौसम में जर्जर और कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शास. उच्च. माध्य. विद्यालय कनेरी में रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

डिंडोरी जिले के मेंहदवानी विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कनेरी में रक्षाबंधन, बलराम जयंती (हल षष्ठी) एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री बलराम जी और श्री कृष्ण के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। विद्यालय के प्राचार्य पी एल साहू ने छात्र-छात्राओं को भगवान बलराम जी के जीवन, उनके हल और मूसल के

महत्व तथा कृषि और बल के प्रतीक के रूप में उनके योगदान के बारे में विस्तार से बताया। और अपने उद्बोधन में भगवान श्री कृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेने और उसके द्वारा बताए गए सत्य धर्म और कर्म की मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे पर्व हमें हमारी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ते हैं। इसके पश्चात रक्षाबंधन के पावन पर्व पर छात्राओं ने छात्रों की



कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के

अटूट प्रेम और रक्षा के संकल्प को दोहराया। छात्रों ने भी बहनों की रक्षा का वचन दिया। इसके पश्चात कृष्ण जन्माष्टमी पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मनमोहन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। नन्हे मुन्हे बच्चे राधा - कृष्ण की वेशभूषा में आकर्षण का केंद्र रहे। छात्राओं द्वारा कृष्ण भजनों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया, वहीं छात्रों ने मटकी फोड़ प्रतियोगिता में

उत्साह के साथ भाग लिया। विद्यालय के शिक्षकों ने रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीत, नृत्य और भाषण प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। अंत में प्राचार्य पी. एल. साहू ने सभी छात्र-छात्राओं को तीनों पर्वों की शुभकामनाएं दीं और भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं को बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण स्वरूप में सजे धूमेश्वर महादेव, दिव्य दर्शन को उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

धूमेश्वर धाम में अद्भुत श्रृंगार आरती ने रचा आध्यात्मिक दृश्य, महामंडलेश्वर अनिरुद्ध वन जी महाराज के सानिध्य में भक्तों ने किए अलौकिक दर्शन

हेमंत भार्गव

शिवपुरी/पवाया। तीन जिलों की सीमा के मध्य स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री धूमेश्वर धाम पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व शुक्रवार, 4 सितंबर को भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक उल्लास के बीच मनाया गया।

संध्या काल में हुई श्रृंगार आरती के दौरान धूमेश्वर महादेव का भगवान श्रीकृष्ण के मनोहारी स्वरूप में किया गया श्रृंगार श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद्ध वन जी महाराज के सानिध्य में बाबा भोलेनाथ का यह अद्भुत स्वरूप सामने आया तो मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालु

भाव-विभोर हो उठे। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो शिव और कृष्ण की भक्ति एक ही ज्योति में समाहित हो गई हो। भक्तों के बीच यह भाव मुखर रहा—“जग में सुंदर हैं दो नाम, चाहे कृष्ण कहो या राम।” धूमेश्वर महादेव के श्रीकृष्ण स्वरूप के दिव्य दर्शन के लिए विभिन्न प्रदेशों से आए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। जिसने भी इस अलौकिक श्रृंगार के दर्शन किए, उसकी दृष्टि



कुछ क्षणों के लिए वहीं ठहर गई। मंदिर परिसर में हर ओर जय श्रीकृष्ण और हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे।

संत की तपस्या से तपोभूमि बनी धूमेश्वर धाम- धूमेश्वर धाम की आध्यात्मिक आभा यहां विराजमान संत एवं पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद्ध वन जी महाराज की साधना और तपस्या

से और अधिक गहन होती दिखाई देती है। प्रकृति की गोद में बसे इस दिव्य शिवालय में आने वाले श्रद्धालु सांसारिक कोलाहल से दूर शांति और आत्मिक आनंद की अनुभूति करते हैं। धाम के समीप कल-कल बहती जलधारा इसकी प्राकृतिक सुंदरता को और भी मनोहारी बना देती है।

श्रद्धालुओं के लिए यह स्थान केवल पूजा-अर्चना का केंद्र नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और आध्यात्मिक अनुभूति की भूमि बन चुका है। जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण के रूप में सजे धूमेश्वर महादेव का यह मनोहारी स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए लंबे समय तक स्मरणीय रहने वाला आध्यात्मिक दृश्य बन गया।

श्री आनंद धाम में उतरा बैकुंठ सा नजारा हजारों भक्तों की मौजूदगी में गूंजा 'हरे कृष्ण' का महाघोष, अलौकिक जन्मोत्सव संपन्न



इंदौर: आस्था और आध्यात्म के केंद्र श्री आनंद धाम (ब्रह्मांड खेड़ी, इंदौर-उज्जैन रोड) पर बीती रात इतिहास रच दिया गया। अवसर था श्री कृष्ण जन्मोत्सव का, जहाँ ब्रह्मांड खेड़ी की शांत और प्राकृतिक गोद में बसा यह धाम अलौकिक झांकियों और उत्सव की दिव्यता से सराबोर नजर आया। परम पूज्य गुरुदेव श्री विवेक जी महाराज के ओजस्वी सान्निध्य में हुए इस महाउत्सव ने शहरवासियों को धर्म और भक्ति के एक नए ही लोक में पहुँचा दिया।

जब गूंजा 'हरे कृष्ण' का महाघोष और झूम उठे भक्त- उत्सव की शुरुआत संध्या बेला में गुरुदेव श्री

विवेक जी महाराज के कर-कमलों से बाँके बिहारी जी के चरणों में पुष्प अर्चन और अलौकिक श्रृंगार दर्शन के साथ हुई। इसके बाद जब हजारों भक्तों ने एक स्वर में सामूहिक 'हरे कृष्ण' महामंत्र का संकीर्तन शुरू किया, तो पूरा वातावरण पूरी तरह चैतन्य हो उठा। नाम संकीर्तन और श्री हरि पाठ की मधुर संगीतमय प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बाँधा कि हर कोई भक्ति की रसधार में झूमने को मजबूर हो गया।

मध्य रात्रि 12 बजे शंख-डमरू की गूंज के साथ हुआ गो-दुग्ध अभिषेक- जैसे ही घड़ी की सुइयों ने रात के 12 बजाए, श्री आनंद धाम 'नंद र आनंद भयो जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से गूंज उठा। शंख-ध्वनि और डमरू

की थाप के बीच ठाकुर जी का पवित्र गो-दुग्ध से भव्य अभिषेक किया गया, जिसके बाद उतारी गई महाआरती ने हर भक्त के मन को शांति और दिव्यता से भर दिया। अनुष्ठान के अंत में सभी भक्तों के लिए विशेष महाप्रसाद का वितरण किया गया। शहर की चकाचौंध और व्यस्तता से दूर प्रकृति के सानिध्य में स्थित श्री आनंद धाम का यह आयोजन इस बात का गवाह बन गया कि जब सच्चे भाव से आराधना हो, तो धरती पर ही बैकुंठ उतर आता है। इस ऐतिहासिक आयोजन में बड़ी संख्या में पहुँचे धर्मप्रेमियों, युवाओं और माताओं-बहनों ने सहभागिता कर इस पावन रात्रि को हमेशा के लिए यादगार बना लिया।

चंद्रकांत कुंजीर बने भाजपा इंदौर महानगर के नगर विशेष आमंत्रित सदस्य, नेताओं ने दी बधाई

दीपक वाड़ेकर

इंदौर: भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक प्रतिनिधि चंद्रकांत कुंजीर को इंदौर महानगर में नगर विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। संगठन के प्रति उनका समर्पण, सक्रिय कार्यशैली और निरंतर जनसेवा का भाव पार्टी को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगा। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के मिलने पर शुभचिंतकों और कार्यकर्ताओं ने उनके उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं इंदौर संभाग प्रभारी रणवीरसिंह रावत, भाजपा इंदौर नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित



मिश्रा और विशेष रूप से विधायक रमेश मेंदोला का आभार व्यक्त किया गया है, जिन्होंने इस दायित्व के लिए विश्वास जताया है।

Bright Future LEARNING ACADEMY

An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

ADMISSIONS OPEN 2026-27

KG-1 to Class 10

QUALITY EDUCATION | EXPERIENCED FACULTY | VALUES & DISCIPLINE | HOLISTIC DEVELOPMENT

हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता

प्रवेश हेतु संपर्क करें **9827068888**

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY
An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

आधुनिक शिक्षा | अनुभवी शिक्षक | सुरक्षित परिसर | सर्वांगीण विकास

एंटीबायोटिक बेअसर, मौत का खतरा!

ड्रग-रेजिस्टेंट संक्रमण पर आईसीएमआर का बड़ा खुलासा

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

भारत में एंटीबायोटिक दवाओं के खिलाफ बैक्टीरिया की बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता अब गंभीर स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से हुए एक नए बहुकेंद्रीय अध्ययन में सामने आया है कि दवा-प्रतिरोधी ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमण सामान्य संक्रमणों की तुलना में अधिक जानलेवा और महंगे साबित हो रहे हैं। अध्ययन में वर्ष 2022 से 2025 के बीच देश के 20 बड़े अस्पतालों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें ई. कोलाई, क्लेबसिएला निमोनिया,



इलाज मुश्किल, खतरा ज्यादा

एसीनेटोबैक्टर और स्यूडोमोनास जैसे खतरनाक बैक्टीरिया पर विशेष ध्यान दिया गया। शोध में पाया गया कि कार्बापेनेम जैसी महत्वपूर्ण एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी संक्रमणों में मौत का जोखिम अधिक था। रक्त संक्रमण के कुछ गंभीर

मामलों में मृत्यु दर बेहद ऊंची दर्ज की गई।

चिंता की बात यह है कि जब सामान्य एंटीबायोटिक असर करना बंद कर देती हैं, तब डॉक्टरों के पास इलाज के विकल्प सीमित हो जाते हैं। मरीज को लंबे समय तक अस्पताल में रहना पड़ सकता है और इलाज का खर्च भी बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार बिना डॉक्टर की सलाह एंटीबायोटिक लेना, बीच में दवा छोड़ देना और संक्रमण नियंत्रण में लापरवाही इस समस्या को बढ़ा सकती है। आईसीएमआर लंबे समय से एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध की निगरानी और एंटीबायोटिक के विवेकपूर्ण इस्तेमाल पर जोर दे रहा है।

पहले दो साल बच्चे को न दें अतिरिक्त चीनी, भविष्य में कई बीमारियों का खतरा हो सकता है कम



रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई रिसर्च ने बच्चों की शुरुआती खुराक को लेकर बेहद अहम संकेत दिए हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जन्म के बाद शुरुआती दो वर्षों तक बच्चे के भोजन में अतिरिक्त चीनी को सीमित रखना भविष्य के स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर डाल सकता है। हाल में प्रकाशित शोध में शुरुआती जीवन के पहले 1,000 दिनों को शरीर के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि गर्भावस्था और जन्म के बाद शुरुआती अवधि में चीनी का सेवन कम रहने से आगे की उम्र में कम उम्र में होने वाले कैंसर का खतरा घटने से संबंध देखा गया। एक अध्ययन में सबसे अधिक लाभ उन लोगों में पाया गया, जिन्हें जन्म के बाद लगभग 24 महीने तक सीमित चीनी मिली। एक अन्य शोध में शुरुआती जीवन में चीनी पर नियंत्रण को वयस्क अवस्था में कैंसर की घटनाओं में कमी और जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी होने से जोड़ा गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यहां बात फलों में प्राकृतिक रूप से मौजूद शर्करा की नहीं, बल्कि मिठाइयों, मीठे पेय, पैकेट वाले खाद्य पदार्थों और भोजन में अलग से मिलाई जाने वाली अतिरिक्त चीनी की है। हालांकि वैज्ञानिक यह भी स्पष्ट करते हैं कि केवल चीनी बंद कर देने से कैंसर या अन्य बीमारियों से पूरी सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलती। लेकिन बचपन से स्वस्थ खानपान की आदत भविष्य में मोटापा, मधुमेह और अन्य दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कन्हैया के लिए बनाएं मलाईदार लड्डू, बिना गैस जलाए मिन्टों में तैयार होगा स्वादिष्ट भोग

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

जन्माष्टमी पर कान्हा को तरह-तरह के पकवानों का भोग लगाया जाता है। इस बार आप घर पर मलाईदार और स्वादिष्ट लड्डू बना सकते हैं, जिसकी खासियत यह है कि इसे तैयार करने के लिए गैस जलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कम समय और आसानी से बनने वाली यह मिठाई भोग के साथ-साथ पूरे परिवार को भी पसंद आएगी।



जन्माष्टमी स्पेशल लड्डू

मिल्क पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसमें पिसी हुई चीनी और इलायची पाउडर डाल दें। अब कटे हुए बादाम-काजू और नारियल का बुरादा मिलाकर मिश्रण को अच्छी तरह तैयार करें। अगर मिश्रण ज्यादा ढीला लगे तो थोड़ा मिल्क पाउडर मिला सकते हैं। वहीं मिश्रण सूखा लगे तो थोड़ी मलाई डालें। तैयार मिश्रण को 10 से 15 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें, ताकि यह थोड़ा सेट हो जाए। इसके बाद हाथों पर हल्का घी लगाकर मिश्रण से छोटे-छोटे गोल लड्डू बना लें। ऊपर से नारियल के बुरादे या बारीक कटे पिस्ते में लपेटकर सजाएं। बस तैयार हैं कन्हैया के लिए मलाईदार लड्डू। बिना गैस, बिना ज्यादा मेहनत और बेहद कम समय में बनने वाला यह भोग जन्माष्टमी की थाली को और खास बना देगा।

अरहर-मूंग से हटकर आज बनाएं पंचकुटी दाल, स्वाद के साथ मिलेगा भरपूर पोषण

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। रोज के खाने में अरहर, मूंग, मसूर और चने की दाल तो लगभग हर घर में बनती है। लेकिन अगर आप दाल में कुछ अलग स्वाद और पौष्टिकता चाहते हैं, तो इस बार पारंपरिक पंचकुटी दाल बनाकर देख सकते हैं।

पांच तरह की दालों से तैयार होने वाली यह दाल स्वादिष्ट होने के साथ प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत मानी जाती है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में इसे पारंपरिक तरीके से बनाया जाता है। पंचकुटी दाल की खासियत इसमें इस्तेमाल होने वाली पांच अलग-अलग दालें हैं। इसे आमतौर पर अरहर दाल, चना दाल, मसूर दाल, उड़द दाल और मूंग दाल को मिलाकर तैयार किया जाता है। अलग-अलग दालों के मेल से इसका स्वाद सामान्य दाल से काफी अलग और खास हो जाता है। इसे रोटी, परांठे या चावल के साथ परोसा जा सकता है।

सामग्री

- 1 कप मिल्क पाउडर
- आधा कप मलाई या गाढ़ी क्रीम
- आधा कप पिसी हुई चीनी
- 2-3 चम्मच नारियल का बुरादा
- 2 चम्मच कटे हुए बादाम और काजू
- थोड़ी इलायची पाउडर
- सजावट के लिए पिस्ता या नारियल बुरादा

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में मलाई और

आपका दिल कितना स्वस्थ है? शरीर के इन 7 संकेतों से मिल सकता है अंदाजा

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

दिल की सेहत का सही पता ईसीजी, रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल, शुगर और अन्य चिकित्सकीय जांचों से ही लगाया जा सकता है। फिर भी शरीर की कुछ सामान्य स्थितियां यह संकेत दे सकती हैं कि हृदय और रक्त संचार प्रणाली ठीक तरह काम कर रही है।

1. रोजमर्रा के काम में ज्यादा सांस नहीं फूलती-सीढ़ियां चढ़ने या सामान्य गति से चलने पर अत्यधिक सांस फूलना चेतावनी हो सकता है।
2. सीने में दर्द या दबाव नहीं होता- सीने में

जकड़न, दबाव या दर्द को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

3. नियमित शारीरिक गतिविधि कर पाते हैं- अच्छी व्यायाम क्षमता हृदय स्वास्थ्य का एक सकारात्मक संकेत हो सकती है, हालांकि यह अकेले बीमारी न होने की गारंटी नहीं है।

4. धड़कन सामान्य महसूस होती है- बार-बार तेज या अनियमित धड़कन महसूस हो तो जांच जरूरी है।

5. अचानक चक्कर या बेहोशी नहीं आती।

6. पैरों और टखनों में लगातार सूजन नहीं रहती।

ड्रूमस्कॉलिंग की लत! रातभर रील्स और बुरी खबरें देखना बढ़ा सकता है एंगजायटी

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

रात को बिस्तर पर लेटने के बाद “बस पांच मिनट फोन देख लेते हैं” से शुरू होने वाली आदत कब घंटों की स्कॉलिंग में बदल जाती है, पता ही नहीं चलता। लगातार नकारात्मक खबरें, दुर्घटनाएं, हिंसा, विवाद और परेशान करने वाले वीडियो देखते रहने की इस आदत को ड्रूमस्कॉलिंग कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार ड्रूमस्कॉलिंग कोई अलग मानसिक बीमारी नहीं है, लेकिन यह तनाव, चिंता, नींद की खराबी और मानसिक थकान को बढ़ा सकती है। लगातार परेशान करने



स्कॉलिंग का जाल, बढ़ती बेचैनी का हाल!

वाली सामग्री देखने से व्यक्ति के मन में खतरे और अनिश्चितता का एहसास बना रह सकता है। फिर चिंता कम करने के लिए वह और जानकारी खोजता है और यही एक दुष्चक्र बन जाता है।



भारत ने हांगकांग चीन को 137 रन से हराया

सेमीफाइनल में भी बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत ने महिला एशिया कप 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में हांगकांग चीन को 137 रनों से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत का अब अगला और ग्रुप स्टेज का तीसरा व आखिरी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 5 सितंबर को होगा। इस मैच में जीत के साथ भारत ग्रुप ए में आखिरी तक नंबर 1 रह सकता है।

इस मैच में भारत ने 194 रन का लक्ष्य रखा था और स्मृति मंधाना ने 64 गेंद पर 124 रन की पारी खेली थी। जवाब में हांगकांग की पूरी टीम 16.2 ओवर में 56 रन पर ढेर हो गई। भारत के लिए गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके। वहीं नंदनी शर्मा, प्रेमा रावत और श्री चरणी को 2-2 विकेट मिले।

भारत ने बनाए 5 विकेट पर 193 रन भारतीय टीम इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले खेलने उतरी। भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 193 रन बनाए। इसमें से अकेले 124 रन स्मृति मंधाना के थे। उनके अलावा 17 गेंद पर 28 रन शेफाली वर्मा ने बनाए। उनके और स्मृति के बीच पहले विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी हुई। हांगकांग चीन को जीत के लिए 194 रन का लक्ष्य मिला।

एशियन गेम्स 2026: वीवीएस लक्ष्मण होंगे भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच, खेल मंत्रालय ने पुष्टि की



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण आगामी आइवी-नागोया एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच की भूमिका निभाएंगे। इसकी पुष्टि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने भारतीय दल की घोषणा के साथ की। मंत्रालय की तरफ से घोषित 768 सदस्यीय भारतीय दल में 503 एथलीट, 246 टीम अधिकारी और सहयोगी स्टाफ तथा 19 स्टाफ दल के सदस्य शामिल हैं। नियमित हेड कोच गौतम गंभीर को वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले आराम दिया गया है। ऐसे में वीवीएस लक्ष्मण एशियन गेम्स में पुरुष टीम की देखरेख करेंगे। मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, सुनील जोशी, ऋषिकेश कानितकर और सुभादीप घोष लक्ष्मण के साथ जुड़ेंगे, जबकि अमोल मजूमदार एशियन गेम्स में महिला टीम की कमान संभालेंगे। लक्ष्मण ने हाल ही में जुलाई में जिम्बाब्वे के विरुद्ध टी20 सीरीज के दौरान भारतीय टीम की देखरेख की थी। ऐसा तब हुआ था जब इंग्लैंड के विरुद्ध व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद गंभीर को आराम दिया गया था। भारतीय पुरुष और महिला टीमों एशियन गेम्स में मौजूदा चैंपियन के तौर पर उतरेंगी, क्योंकि उन्होंने 2022 हांगको खेलों में खिताब जीता था।

स्मृति मंधाना ने शतक ठोक रचा इतिहास

मिताली राज का वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के दूसरे मुकाबले में भारतीय उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने बेहतरीन शतक जड़ा। उनका टी20 इंटरनेशनल में यह दूसरा शतक था। इसी के साथ उन्होंने मिताली राज के एक वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है। उनके नाम अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन दर्ज हो गए हैं। उन्होंने मिताली के 10868 रन के रिकॉर्ड को अपने 302वें इंटरनेशनल मैच में तोड़ा।

मिताली राज ने अपने इंटरनेशनल करियर में 333 मैच खेलते हुए 10868 रन बनाए थे। वहीं स्मृति ने अपने करियर के 302वें मैच में यह उपलब्धि हासिल कर ली। अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर हैं। इस मामले में तीसरे नंबर पर हैं सूजी बेट्स। महिला एशिया कप में भी स्मृति सबसे ज्यादा 18 शतक लगाने वाले खिलाड़ी बनीं। इस दौरान उन्होंने मिताली राज के महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर की भी बराबरी की। स्मृति मंधाना ने इस मुकाबले में 64 गेंद पर 124 रन बनाए। इस पारी में उनके बल्ले से 14 चौके और 7 छक्के निकले। उन्होंने इस दौरान रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी। उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। सबसे बड़ा तो वर्ल्ड रिकॉर्ड था जो उन्होंने तोड़ा और मिताली को पीछे छोड़ा। वहीं भारत के लिए महिला टी20 इंटरनेशनल की भी वह टॉप स्कोरर बनीं। एशिया कप में भी सबसे बड़ी पारी खेलने वाली महिला क्रिकेटर वह बनीं।



महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए बीसीसीआई हमेशा तैयार: देवजीत सैकिया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि बोर्ड कम समय में आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी के पहले संस्करण की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका से मेजबानी अधिकार वापस लेकर भारत को सौंप दिए हैं। छह टीमों वाला यह टूर्नामेंट अगले साल 14 से 28 फरवरी तक खेला जाएगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमों हिस्सा लेंगी। इसके मुकाबले दो मैदानों - मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया

के ब्रेबोन स्टेडियम और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। बीसीसीआई मुख्यालय में प्रदर्शन समीक्षा बैठक के बाद सैकिया ने संवाददाताओं से कहा, 'आपको बीसीसीआई की सराहना करनी चाहिए कि हम अगले साल फरवरी में महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने जा रहे हैं। हमारे पास दो स्थल हैं, एक सीसीआई ब्रेबोन, जो वानखेड़े स्टेडियम के बगल में है। दूसरा बड़ौदा है और हमें सराहना करनी चाहिए और हमें आईसीसी, जिसमें जय शाह भी शामिल हैं, को धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने सोचा कि बीसीसीआई सही देश है जो इतने कम समय में



टूर्नामेंट की मेजबानी कर सकता है। 'आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) से सरकारी हस्तक्षेप के कारण मेजबानी अधिकार छीन लिए थे। श्रीलंका सरकार ने बोर्ड के संचालन के लिए सरकार समर्थित

ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी नियुक्त की थी। भारत को बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका की दावेदारी के बीच मेजबान चुना गया। मेजबानी गंवाने के बावजूद श्रीलंका ने टूर्नामेंट में अपनी जगह बरकरार रखी है, क्योंकि

उसने 6 जुलाई की कट-ऑफ तारीख तक वैश्विक टी20आई रैंकिंग के आधार पर स्वतः क्वालिफाई कर लिया था।

सैकिया ने कहा, 'बीसीसीआई हमेशा इस तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयार रहता है और इसके लिए बीसीसीआई को कुछ श्रेय मिलना चाहिए कि हम किसी भी समय किसी भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन को समायोजित करने के लिए तैयार हैं। आखिरी क्षण में, 11वें घंटे पर, श्रीलंका इस टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं कर सका। बीसीसीआई ने चार स्थानों की पेशकश की, जिनमें से दो

स्थानों का चयन किया गया और हम इसकी बहुत अच्छे तरीके से मेजबानी करने जा रहे हैं।'

ब्रेबोन स्टेडियम ने आखिरी बार दिसंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय महिला टी20 सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी की थी, हालांकि इसने 2023 और 2025 में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैचों की मेजबानी की है।

वडोदरा भी एक प्रमुख स्थल के रूप में उभरा है। यहां 2025 और 2026 में डब्ल्यूपीएल मुकाबले और 2024 में भारत-वेस्टइंडीज महिला वनडे सीरीज खेले गई थी।

“क्या हम दूसरों के गुलाम हैं?” टाटा केमिकल्स पर भड़के केन्या के राष्ट्रपति, 100 साल पुराने कारोबार पर रोक

नैरोबी। केन्या के राष्ट्रपति ने भारत की के खिलाफ बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए देश में उसकी गतिविधियां बंद करने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति रूटो का आरोप है कि कंपनी ने लोक मगाडी के संसाधनों का लंबे समय तक इस्तेमाल किया, लेकिन काजियाडो क्षेत्र में अपेक्षित औद्योगिक विकास और स्थानीय स्तर पर मूल्यवर्धन नहीं किया। काजियाडो काउंटी में एक कार्यक्रम के दौरान रूटो ने तीखे शब्दों



में कहा कि कंपनी के पास करीब 100 साल पुरानी रियायत और संचालन का इतिहास रहा, लेकिन क्षेत्र में बड़े उद्योग स्थापित नहीं किए गए। उन्होंने सवाल उठाया—“क्या हम दूसरों के गुलाम हैं?” रूटो ने कहा कि केन्या अपने प्राकृतिक संसाधनों को केवल बाहर भेजने के बजाय स्थानीय उद्योग और रोजगार के लिए इस्तेमाल करना चाहता है।

लोक मगाडी से मिलने वाले खनिज से सोडा

ऐश तैयार किया जाता है, जिसका उपयोग कांच, डिटर्जेंट और रासायनिक उद्योगों में होता है। राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि सरकार नए निवेशकों को लाएगी और उनसे काजियाडो में बड़ा कांच कारखाना तथा रासायनिक प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने की अपेक्षा करेगी। इससे पहले जुलाई में केन्याई सरकार ने टाटा केमिकल्स मगाडी की गतिविधियों और सोडा ऐश के निर्यात पर भी कार्रवाई की थी।

सीमा पर गरजेगी वायुसेना, पाकिस्तान में बढ़ी हलचल

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

भारत-पाक सीमा के दक्षिणी हिस्से में बड़ा हवाई युद्धाभ्यास; नाल-बीकानेर से जैसलमेर और बाड़मेर तक एयरस्पेस आरक्षित

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान सीमा के करीब भारतीय वायुसेना बड़े सैन्य अभ्यास की तैयारी में है। राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र में होने वाले इस अभ्यास के लिए बड़े हिस्से का हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से आरक्षित किया गया है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक सैन्य गतिविधियों को देखते हुए पाकिस्तान की ओर भी निगरानी और सतर्कता

बढ़ने की खबर है। आरक्षित हवाई क्षेत्र भारतपाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के दक्षिणी सेक्टर में बताया जा रहा है। इसके दायरे में नाल-बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर और उत्तरलाई जैसे महत्वपूर्ण सैन्य एवं हवाई क्षेत्र आते हैं। ऐसे इलाकों में हवाई अभ्यास के दौरान लड़ाकू विमानों और अन्य सैन्य विमानों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं।

हवाई क्षेत्र आरक्षित करने के लिए जारी नोटिस टू एयरमैन का उद्देश्य नागरिक विमानों को अभ्यास वाले क्षेत्र से दूर रखना और सैन्य उड़ानों के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना होता



है। पहले भी राजस्थान सीमा के पास होने वाले अभ्यासों में हजारों फीट की ऊंचाई तक हवाई क्षेत्र आरक्षित किया जाता रहा है। जुलाई 2026 में हुए एक अभ्यास के दौरान 28 हजार फीट तक का

हवाई क्षेत्र आरक्षित किए जाने की रिपोर्ट सामने आई थी। मौजूदा घटनाक्रम को ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की बढ़ी सैन्य तैयारियों के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। हालांकि सैन्य अभ्यास को अपने आप में युद्ध की तैयारी मानना सही नहीं होगा, क्योंकि वायुसेना नियमित रूप से अपनी युद्धक क्षमता और परिचालन तैयारी परखने के लिए ऐसे अभ्यास करती है। इसके बावजूद पाकिस्तान सीमा से सटे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हवाई गतिविधियों ने पड़ोसी देश की चिंता जरूर बढ़ा दी है। आने वाले दिनों में आसमान में भारतीय वायुसेना की गतिविधियों पर दोनों देशों की नजर रहने वाली है।

एशियन अस्पताल के एनआईसीयू में भीषण आग, 9 नवजात समेत 58 मरीज सुरक्षित

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित एशियन अस्पताल में शुक्रवार तड़के उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अस्पताल की नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में अचानक आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन और दमकल विभाग ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया।

सबसे बड़ी राहत यह रही कि एनआईसीयू में भर्ती 9 नवजात शिशुओं समेत अस्पताल के सभी 58 मरीजों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेस्क्यू के दौरान नवजात बच्चों को विशेष सावधानी के साथ दूसरे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। आग लगने के बाद अस्पताल में धुआं तेजी से फैलने लगा, जिसके कारण मरीजों और उनके परिजनों में दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया। कर्मचारियों और बचाव दल ने मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक स्तर पर विद्युत शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा सकती है, लेकिन आधिकारिक जांच के बाद ही आग के कारणों की पुष्टि होगी। घटना ने अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खासकर एनआईसीयू जैसे संवेदनशील विभाग में आग लगना बेहद गंभीर माना जाता है। प्रशासन अब यह जांच करेगा कि अस्पताल में अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकासी मार्ग और सुरक्षा व्यवस्था निर्धारित मानकों के अनुरूप थी या नहीं। बड़ी राहत: आग के बावजूद कोई जनहानि नहीं हुई और सभी 58 मरीज, जिनमें 9 नवजात भी शामिल थे, सुरक्षित बचा लिए गए।

विदेशी चंदे पर संसद की कड़ी नजर

एफसीआरए संशोधन विधेयक की जांच के लिए 31 सदस्यीय समिति गठित, 19 सदस्य एनडीए के; भाजपा सांसद संजय जायसवाल बने अध्यक्ष

नई दिल्ली। विदेशी चंदे से जुड़े नियमों में बदलाव के प्रस्तावित विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक-2026 की अब संसद की संयुक्त समिति जांच करेगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया है। भाजपा सांसद संजय जायसवाल को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।

समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य हैं। समिति में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के 19 सदस्य हैं, जिनमें भाजपा के 14 सांसद शामिल हैं। गठबंधन के घटक दलों में जनता दल (यू.), तेलुगु देशम पार्टी, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। विपक्ष की ओर से कांग्रेस के पांच सांसद हैं, जबकि समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और इंडियन यूनियन



मुस्लिम लीग को भी प्रतिनिधित्व मिला है।

विधेयक को लेकर सबसे बड़ा विवाद उस प्रस्तावित व्यवस्था पर है, जिसके तहत किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण रद्द, निलंबित या नवीनीकृत नहीं होने की स्थिति में विदेशी चंदे से बनाई गई संपत्तियों पर सरकार द्वारा नियुक्त प्राधिकरण को नियंत्रण, प्रबंधन या निपटान की शक्ति मिल सकती है। विपक्ष और कुछ धार्मिक संगठनों ने इस प्रावधान पर गंभीर

आपत्ति जताई है। सरकार का कहना है कि बदलाव का उद्देश्य विदेशी धन के इस्तेमाल में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है। समिति को आगामी शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है। अब उसकी बैठकों में संबंधित संगठनों और हितधारकों के पक्ष सुने जाएंगे और विधेयक के प्रावधानों की विस्तृत समीक्षा होगी।

‘देशभक्ति में मोदी-शाह से कम नहीं ओवैसी’

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने की असदुद्दीन ओवैसी की तारीफ, बोले- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों की सलामती के लिए की थी दुआ

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी की देशभक्ति की खुलकर तारीफ की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओवैसी भाइयों की देशभक्ति पर कोई उंगली नहीं उठा सकता।

रेवंत रेड्डी ने एक कार्यक्रम में कहा



कि देशभक्ति किसी राजनीतिक दल या विचारधारा की बपौती नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के समय असदुद्दीन ओवैसी ने भारतीय सैनिकों की सुरक्षा और सफलता के लिए दुआ की थी। मुख्यमंत्री के मुताबिक, ओवैसी ने देश और जवानों के प्रति अपना समर्थन सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था। रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का उल्लेख करते हुए कहा कि देशभक्ति के मामले में ओवैसी किसी से कम नहीं हैं। उनके इस बयान ने तेलंगाना की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। गौरतलब है कि ओवैसी लंबे समय से हैदराबाद की राजनीति के प्रभावशाली चेहरों में शामिल हैं और केंद्र सरकार की नीतियों पर मुखर आलोचना करते रहे हैं। इसके बावजूद कई राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य मुद्दों पर वह भारतीय सेना के समर्थन की बात करते रहे हैं।